हकृवि में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का अनावरण कर लगाया भंडारा

नभ-छोर न्यूज ⏭ 12 नवंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ट्रांसपोर्ट ऑफिस व फार्म निदेशालय में भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने सम्पदा कार्यालय में भगवान विश्वकर्मा जी की मूर्ति का अनावरण किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार, वास्तुकार और निर्माण कला का देवता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने देवताओं के लिए अनेक भव्य महलों,



भवनों और दिव्य रचनाओं का निर्माण किया था। भगवान विश्वकर्मा का जीवन हमें सृजन, मेहनत, तकनीकी ज्ञान और कुशलता का महत्व समझाता है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमें अपने कार्य और जिम्मेदारियों के प्रति ईमानदार, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ रहने की प्रेरणा भी देती है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य को पूरी लगन, निष्ठा और गुणवत्ता के साथ करना चाहिए। श्रम का सम्मान, समय का सदुपयोग और कार्य के प्रति समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में उसके प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भंडारे में उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया और उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया। भंडारे में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर धार्मिक आयोजन में अपनी भागीदारी निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.11.26	3	3-4



भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का अनावरण करते कुलपति प्रो. काम्बोज।

हकृवि में विश्वकर्मा दिवस पर भंडारा, प्रतिमा का अनावरण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ट्रांसपोर्ट कार्यालय और फार्म निदेशालय में विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने सम्पदा कार्यालय परिसर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का अनावरण किया। कुलपति ने कहा कि विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार, वास्तुकार और निर्माण कला का देवता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने देवताओं के लिए भव्य महलों, भवनों और दिव्य रचनाओं का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल आस्था तक सीमित नहीं है। यह सृजन, मेहनत, तकनीकी ज्ञान और कुशलता के प्रति सम्मान का संदेश देता है। कुलपति ने कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका को संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कार्य के प्रति ईमानदारी, समर्पण और गुणवत्ता पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिस
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉल
दैनिक भास्कर	13-11-26	11	6-

कुलपति ने भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का किया अनावरण

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ट्रांसपोर्ट ऑफिस व फार्म निदेशालय में भगवान विश्वकर्मा दिवस के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सम्पदा कार्यालय में भगवान विश्वकर्मा जी की मूर्ति का अनावरण किया। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने देवताओं के लिए अनेक भव्य महलों, भवनों और दिव्य रचनाओं का निर्माण किया था। भगवान विश्वकर्मा का जीवन हमें सृजन, मेहनत, तकनीकी ज्ञान और कुशलता का महत्व समझाता है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमें अपने कार्य और जिम्मेदारियों के प्रति ईमानदार, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ रहने की प्रेरणा भी देती है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य को पूरी लगन, निष्ठा और गुणवत्ता के साथ करना चाहिए। श्रम का सम्मान, समय का सदुपयोग और कार्य के प्रति समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में उसके प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भंडारे में उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिस
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉल
दैनिक जागरण	13-1-26	2	2-3

हकृवि में भगवान विश्वकर्मा दिवस के उपलक्ष्य में लगाया भंडारा



भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का अनावरण करते कुलपति प्रो. काम्बोज।

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ट्रांसपोर्ट आफिस व फार्म निदेशालय में भगवान विश्वकर्मा दिवस के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने सम्पदा कार्यालय में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का अनावरण किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार, वास्तुकार और निर्माण कला का देवता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उन्होंने देवताओं के लिए अनेक भव्य महलों, भवनों और दिव्य रचनाओं का निर्माण किया था। भगवान विश्वकर्मा का जीवन हमें सृजन, मेहनत, तकनीकी ज्ञान और कुशलता का महत्व समझाता है।